पहले मर्ज करने की घोषणा, फिर परीक्षा केंद्र खत्म, अब वित्तीय अधिकार भी छीने

बंद होता जिले का एकमात्र गर्ल्स कॉलेज, लगातार छिन रही सुविधाएं, इस वर्ष भी प्रवेश को लेकर असमंजस में छात्राएं

शाजापुर। सरकार ने बेटियों को उच्च शिक्षा देने के लिए 1987 में किला परिसर में शासकीय कन्या महाविद्यालय की स्थापना की। सिर्फ कला संकाय के साथ शुरू हुआ यह कॉलेज शुरुआत से ही अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करता आ रहा है। अब स्थिति यह है कि यह कॉलेज बंद या बीकेएसएन कॉलेज में मर्ज होने की कगार पर खड़ा है। जिम्मेदारों ने गत वर्ष इसकी औपचारिक घोषणा भी कर दी थी। हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन ने कन्या महाविद्यालय को अपने परीक्षा केंद्रों की सूची से भी बाहर कर दिया है और अब अतिरिक्त संचालक उज्जैन के एक पत्र के बाद इस कॉलेज के वित्तीय अधिकार का प्रभार भी बीकेएसएन कॉलेज शाजापुर को दे दिया गया है। ऐसे में लगातार छिन रही सुविधाओं के बीच कॉलेज का अस्तित्व संकट में आ गया है।

बता दें शासन ने 1987 में 1 प्राचार्य, 6 सहायक प्राध्यापक, 1 ग्रंथपाल, 1 क्रीड़ा अधिकारी, 1 मुख्य लिपिक, 1 लेखापाल, 1 सहायक ग्रेड दो, 2 सहायक ग्रेड तीन, 1 प्रयोगशाला तकनीशियन, 1 प्रयोगशाला परिचारक, 1 बुक लिफ्टर, 2 भृत्य, 1 स्वीपर और 1 चौकीदार के पद स्वीकृत करते हुए शासकीय कन्या महाविद्यालय शुरू किया था। शुरुआत में छात्राओं की संख्या सम्मानजनक रही। कॉलेज प्रबंधन ने छात्राओं की मांग पर यहां स्ववित्त से एमकॉम और बीकॉम प्लेन व बीकॉम कम्प्यूटर एप्लीकेशन के कोर्स भी शुरू किए, लेकिन इनकी फीस अधिक होने के कारण चंद सालों में ही ये कोर्स बंद करना पड़े। जिसके चलते महाविद्यालय में सिर्फ कला संकाय ही बचा। जिसमें भी अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य विषय ही संचालित होते रहे। कॉलेज प्रबंधन ने कई बार यहां कला संकाय में इतिहास और उर्दू विषय खोलने की मांग की। शासन स्तर पर वाणिज्य और विज्ञान संकाय शुरू करने के लिए भी पत्राचार किए, लेकिन जिम्मेदारों ने इस मांग को आज तक पूरा नहीं किया। जिसके चलते यहां छात्राओं की संख्या लगातार घटती चली गई।

लायब्रेरी में चार वर्ष से जड़ा है ताला...

महाविद्यालय में स्थायी ग्रंथपाल के रूप में चंचल ज्ञानचंदानी की पदस्थापना की गई थी, लेकिन वे अप्रैल 2022 से लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। जिसके कारण ग्रंथालय पर 4 साल से ताला जड़ा हुआ है। जिम्मेदार हर माह इनकी अनुपस्थिति की सूचना भी वरिष्ठ कार्यालय को दे रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक न तो इनकी उपस्थिति को लेकर कोई प्रयास किए, न ही महाविद्यालय में अन्य ग्रंथपाल की व्यवस्था की, जिससे ग्रंथालय संबंधी गतिविधियां रूकी हुई हैं।

गत वर्ष फर्स्ट ईयर में सिर्फ 17 एडमिशन...

गत वर्ष 2025-26 में हुए बीए फर्स्ट ईयर की बात करें, तो सिर्फ 17 ही एडमिशन हुए थे, जिसके कारण स्थिति और बद्तर हो गई। वर्तमान में बीए की तीनों कक्षाओं को मिलाकर यहां छात्राओं की कुल संख्या 76 है, जो कि चिंता का विषय है। कॉलेज प्रबंधन ने यहां शासन स्तर से वाणिज्य और विज्ञान संकाय शुरू करने के लिए भी अनेक बार पत्राचार किए, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकले, जिसके कारण महाविद्यालय में प्रवेश की संख्या लगातार घटती चली गई।

विक्रम यूनिवर्सिटी की लिस्ट में नहीं नाम

पिछले दिनों सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा क्षेत्रांतर्गत आने वाले परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की गई थी, जिसमें शासकीय कन्या महाविद्यालय का नाम शामिल नहीं था। ऐसे में इस महाविद्यालय की छात्राओं को बीकेएसएन कॉलेज शाजापुर में जाकर परीक्षा देना पड़ रही है। वहीं हाल ही में गर्ल्स कॉलेज के आहरण संवितरण अधिकार भी छीन लिए गए। ये अधिकार अब बीकेएसएन कॉलेज शाजापुर के प्राचार्य को दिए गए हैं। उन्हीं के हस्ताक्षर से अब गर्ल्स कॉलेज के वित्तीय कार्य सम्पादित हो रहे हैं।

तीन स्थायी, बाकी अतिथि विद्वान

कॉलेज में यूं तो सहायक प्राध्यापक के 6 पद स्वीकृत हैं, लेकिन अर्थशास्त्र विषय में ही स्थायी प्रोफेसर डॉ. पी. मूंदड़ा कार्यरत हैं, जो मई माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इनके अतिरिक्त हाल ही में अंग्रेजी और गृह विज्ञान विषय में दो सहायक प्राध्यापक नियुक्त हुए हैं। जो परीवीक्षा अवधि में हैं। राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र और हिंदी साहित्य में अतिथि विद्वान कार्यरत हैं। क्रीड़ा अधिकारी का पद भी वर्तमान में खाली पड़ा है। जिससे महाविद्यालय में खेल गतिविधियां भी संचालित नहीं हो पाती हैं।

ऑफिस स्टाफ भी पर्याप्त नहीं...

ऑफिस स्टाफ की बात करें, तो यहां लंबे समय से मुख्य लिपिक और लेखापाल के पद खाली हैं। सहायक ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत जेपी माथुर जुलाई 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इसके बाद यह पद भी खाली हो जाएगा। वहीं सहायक ग्रेड-3 के दो में से एक पद खाली है। भृत्य के दो में से एक पद रिक्त है। बुक लिफ्टर, चौकीदार, स्वीपर और प्रयोगशाला परिचारक के पद भी लंबे समय से खाली पड़े हैं। शासन द्वारा इन पदों पर कोई नई नियुक्ति भी नहीं की जा रही, जिससे कॉलेज प्रबंधन की समस्या बढ़ गई है।

एक नजर में

अपराधिक गतिविधियों में लिप्त राका जिलाबदर

शाजापुर, 26 अप्रैल। जिला दण्डाधिकारी ऋजु बाफना ने अपराधिक गतिविधियों में लिप्त थाना अवंतिपुर बड़ोदिया निवासी खड़ी डोडिया 38 वर्षीय सुरेश उर्फ राका पिता नारायणसिंह को एक वर्ष के लिए जिला बदर करते हुए शाजापुर एवं सीमावर्ती जिले देवास, उज्जैन, आगर मालवा, राजगढ़ तथा सीहोर की राजस्व सीमा से बाहर जाने के आदेश दिए है। जिला दण्डाधिकारी बाफना ने निष्कासन आदेश जारी करते हुए आदेशित किया है कि वह प्रतिबंधित अवधि में बिना पूर्व अनुमति के उक्त क्षेत्रों में प्रवेश न करें।

स्लीपर बस और वाहनों की चैकिंग की, 31 हजार वसूले

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश पर परिवहन विभाग एवं यातायात थाना प्रभारी द्वारा संयुक्त रूप से शाजापुर क्षेत्र में स्लीपर बस, यात्री एवं अन्य वाहनों की सघन चेकिंग की कार्यवाही की गई। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि वाहनों की चैकिंग के दौरान उनके परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, फर्स्ट एड बॉक्स, फायर फाइटर, इमरजेंसी गेट आदि चैक किए गए। इस दौरान नियम विरुद्ध संचालित वाहनों से 31 हजार रुपए शमन शुल्क राशि वसूल की गई। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि चैकिंग कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता आयोजित

सोयतकलां। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. जीसी गुप्ता के निर्देशन में शनिवार को नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत शिक्षा से सशक्तिकरण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं एवं छात्रों में शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके विचारों को अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करना है। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे, उक्त जानकारी प्रतियोगिता प्रभारी श्रद्धा पांडे एवं डॉ. रेखा चंद्रपाल द्वारा दी गई।

मेरा पेड़, मेरी जिम्मेदारी अभियान शुरू

शुजालपुर। जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में समर कैम्प के तहत मेरा पेड़ मेरी जिम्मेदारी अभियान की शुरुआत की गई। क्रीड़ा विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और खिलाड़ियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों और स्वयंसेवकों के 20-20 सदस्यों के समूह बनाए गए हैं, प्रत्येक समूह को एक-एक पौधा सौंपकर उसकी देखरेख की जिम्मेदारी दी गई है। अगले 30 दिनों तक समूह पौधों की नियमित सिंचाई, सफाई और पोषण का ध्यान रखेंगे। समर कैम्प प्रभारी एवं क्रीड़ा अधिकारी देवेंद्र कुंभकार ने कहा कि प्रकृति संरक्षण हर व्यक्ति का दायित्व है, यदि हर कोई एक पौधे की जिम्मेदारी ले तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखना आसान हो सकता है। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश सिंह मेवाड़ा सहायक प्राध्यापक प्राणिशास्त्र ने भी पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। अभियान के तहत सभी समूहों को अपने पौधों के साथ प्रारंभिक फोटो लेना अनिवार्य किया गया है। 30 मई को 35 दिन बाद अंतिम फोटो प्रस्तुत करनी होगी, जिसके आधार पर श्रेष्ठ समूह का चयन कर समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। समर कैम्प के दौरान हर शनिवार सामूहिक सूर्य नमस्कार और पारंपरिक खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक विकास हो रहा है। साथ ही यह पहल युवाओं में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित कर रही है।

एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम से रोपेंगे

2 मई को होगा लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन

शाजापुर। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत प्रतिवर्ष 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया जाता है। उक्त आयोजन का उद्देश्य बालिका सशक्तिकरण और मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करना है। लाड़ली लक्ष्मी उत्सव जिला स्तरीय कार्यक्रम 2 मई को गांधी हॉल शाजापुर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के साथ ही शहर में पूर्व से बनी लाडली लक्ष्मी वाटिका मे एक पेड़ लाडली लक्ष्मी के नाम रोपित किया जाएगा तथा लाडली लक्ष्मी पथ पर चित्र, पोस्टर, बैनर, स्लोगन आदि लगाए जाएंगे।

महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों एवं एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना अधिकारियों से कहा हैं कि यह आयोजन उत्सव के रूप में नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाए, जिसमें लाड़ली बालिका एवं उनके अभिभावक, लाड़ली क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्य लाड़ली बालिकाओं के साथ स्थानीय जन प्रतिनिधि आमंत्रित प्रतिभागी होंगें।

प्रत्येक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले जनप्रतिनिधि के नाम कार्यक्रम पूर्व सुनिश्चित कर लें। उन्होंने बताया कि इसके लिए लाडली लक्ष्मी उत्सव पर लाड़ली बालिका स्कूल, महाविद्यालय में प्रवेशित द्वारा उद्बोधन, अपराजिता अंतर्गत मार्शल आर्ट का प्रदर्शन, उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिकाओं का सम्मान, लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायतों का सम्मान, लाड़ली लक्ष्मी बालिका को आश्वासन प्रमाणपत्र का वितरण लाड़ली लक्ष्मी क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा क्लब की गतिविधियों के संबंध में अनुभव साझा, सांस्कृतिक कार्यक्रम में लाड़ली बालिकाओं द्वारा संगीत, नृत्य, प्रत्येक स्तर पर एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम से लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में जनप्रतिनिधियों एवं लाड़ली बालिकाओं द्वारा रोपित करने जैसी विभिन्न गतिविधियां की जाएंगी।

जेल में स्वास्थ्य शिविर, बंदियों का परीक्षण

शुजालपुर, 26 अप्रैल. उप जेल शुजालपुर में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में बंदियों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार दिया गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह शिविर मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित किया गया. शिविर का निरीक्षण जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शाजापुर आनंद कुमार तिवारी तथा विशेष न्यायाधीश एनएन जोशी द्वारा किया गया. इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीतिता बोसानी एवं जिला न्यायालय शाजापुर की रेखा शर्मा ने भी विधिक सहायता से संबंधित जानकारी बंदियों को दी. शिविर में सिविल अस्पताल शुजालपुर के डॉक्टरों की टीम मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. संजय मडलोई, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ चंद्रम सिंह तथा नेत्र सहायक डॉ. सुनील मेंढरिया ने करीब 60 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया. वहीं लैब टेक्नीशियन शिवनारायण पाटीदार एवं जया महेश्वरी द्वारा जांचें की. निरीक्षण के दौरान न्यायाधीशों ने जेल की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता एवं अनुशासन पर संतोष व्यक्त किया तथा व्यवस्थाओं को बनाए रखने के निर्देश दिए. भोजनशाला का भी निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की सराहना की गई. कार्यक्रम में सहायक जेल अधीक्षक शिवपाल सिंह परिहार सहित कर्मचारी उपस्थित रहे.

संतुलन बिगड़ने से खाई में गिरा ट्रक, दो घायल

शाजापुर। पोलायकलां मंडी से प्याज लेकर ओडिशा जा रहा एक ट्रक असंतुलित होकर खाई में जा गिरा, इस हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें पहले पोलायकलां के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को शाजापुर जिला अस्पताल रैफर किया गया। जानकारी के अनुसार घटना नेवज खेड़ी के पास हुई, जब चालक वाहन से संतुलन खो बैठा और ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। इस हादसे में मनोज पिता मांगीलाल निवासी शाजापुर व खुजनेर निवासी सुनील पिता कन्हैयालाल घायल हो गए, जिन्हें 112 पायलेट ओमप्रकाश व लखनलाल ने मौके पर पहुंचकर उन्हें पोलायकला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद शाजापुर जिला अस्पताल रैफर किया गया।

मिल्क केक, आइसक्रीम, लस्सी सहित खाद्य और पेय पदार्थों के लिए सैंपल

जिले में चलित राज्य खाद प्रयोगशाला ने किया भ्रमण

3 दिन में 4 तहसील के 12 दुकानों का निरीक्षण कर 64 सैंपल लिए

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफ्ना के निर्देश तथा अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन मे खाद्य सुरक्षा दल की औचक निरीक्षण कार्यवाही में 22 से 24 अप्रैल के 3 दिवसीय एफएसडब्ल्यू के जिले में भ्रमण के दौरान 4 तहसील के 12 दुकानों का निरीक्षण कर 64 सैंपल की मौके पर ही लेकर चलित राज्य खाद्य प्रयोगशाला से जांच की गई, जिसमें से 9 सैंपल फेल पाए गए, जिनके नियम अनुसार 6 लीगल एवं 6 निगरानी सैंपल लेकर विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमके वर्मा ने बताया कि इस दौरान 2 स्थानों कालापीपल तहसील के बकायान मार्केट एवं जिला चिकित्सालय शाजापुर पर जन जागरूकता के लिए अवेयरनेस कैंप कर जनसमुदाय को खाद्य सामग्री के दैनिक उपभोग के दौरान बरते जाने वाली सावधानी तथा मिलावट की जांच के घरेलू व्यवहारिक टिप्स भी दिए गए, साथ ही मोटे अनाज, श्री अन्न, फोर्टीफाइड, ट्रेडिशनल तथा सीजनल फूड को बढ़ावा देने तथा फास्ट फूड, हाई फैट, साल्ट, शुगर वाले शीतल पेय, कोल्डड्रिंक्स, तम्बाकू उत्पादों से दूर रहने तथा नमक, तेल एवं चीनी के सीमित या कम मात्रा में सेवन करने की सलाह दी गई। व्यक्तिगत स्वच्छता, किचन की सफाई ढक्कन युक्त डस्टबिन के उपयोग की अनिवार्यता तथा सही बर्तन पात्र में खाना पकाने बनाने एवं रखने का महत्व बताया गया।

यहां से लिए सैंपल

इस दौरान नेशनल दुग्ध डेयरी बकायान तहसील कालापीपल से मिश्रित दूध, श्री राम मिष्ठान भंडार शुजालपुर से चॉकलेट बर्फी, कृष्ण डेयरी शुजालपुर से क्रीम, बीकानेर मिष्ठान भंडार मोमन बड़ोदिया से मिल्क केक, लस्सी, स्टिंग एनर्जी ड्रिंक, ब्रेवो फ्रूट ड्रिंक, रामदेव रेस्टोरेंट से मिठाई, बेसन, राठौर नलखेड़ा की आइसक्रीम सप्लायर वैन शीतल एवं बडालिया आईसक्रीम तथा जैन भोजनालय से बेसन के सैंपल लिए गए।

एक नजर में | अभी नहीं सहेजा, तो इतिहास बनकर रह जाएगा शाजापुर का किला

प्रशासन की अनदेखी के चलते जर्जर हो रही नगर की ऐतिहासिक धरोहर

शाजापुर, 26 अप्रैल। नगर की ऐतिहासिक धरोहर प्राचीन किला दिन प्रतिदिन जर्जर होता जा रहा है। 400 साल से ज्यादा पुरानी नगर की किला रूपी भव्य अनमोल धरोहर वर्तमान समय में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है।

किले की दीवारें जर्जर हो रही हैं, लेकिन इसकी सुध नहीं ली जा रही है। ऐसे में अनमोल धरोहर पर अभी भी ध्यान नहीं दिया, तो ये विरासत इतिहास बन कर रह जाएगी। इसके दरवाजों के अवशेष भी गिरने लगे हैं, जो कभी भी हादसों का कारण बन सकते हैं। शाजापुर का किला चीलर नदी पर बनाया गया ऐतिहासिक किला है। यह किला 2160 फीट लंबाई लिए हुए स्थित है। किले का मुख्य द्वार स्थापत्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसमें प्रवेश करने के तीन द्वार है। किले के मुख्य द्वार के अतिरिक्त उत्तर में हाथी दरवाजा, दक्षिण दिशा में ओंकारेश्वर मंदिर के पास ग्वालियर दरवाजा स्थित है।

13 वर्ष से टूटी दीवार, अब तक नहीं ली किसी ने सुध

बड़ी व ऊंची दीवारों से घिरा यह किला समय के साथ जर्जर हो रहा है। इसकी दीवारें कई जगह से टूट रही हैं परकोटे भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। करीब 13 वर्ष पूर्व इस प्राचीन विरासत की दीवार का एक बड़ा हिस्सा चीलर नदी में गिर गया था। इसके बाद यहां पर पुरातत्व विभाग की टीम ने पहुंचकर इसका सर्वे किया और किले की दीवार की मरम्मत करवाने की बात कही थी, लेकिन इसके बाद यहां पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। कई बार जिला प्रशासन द्वारा पुरातत्व विभाग को पत्र भी भेजे गए, लेकिन सुध नहीं लेने के कारण दीवार का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है। दिन प्रतिदिन ये क्षरण और ज्यादा बढ़ता जा रहा है।

पहले लगते थे कलेक्ट्रेट और कोर्ट, अब फिर शासकीय विभाग हो रहे संचालित

जानकारी के अनुसार वर्ष 1904 में शाजापुर को जिले की मान्यता मिलने के बाद से लगभग 80 वर्ष तक जिला कलेक्टर कार्यालय, जिला न्यायालय सहित अन्य प्रशासनिक व शासकीय विभाग इस किले में संचालित हुए। करीब 20 से 25 वर्ष पूर्व कार्यालय नवीन शासकीय भवनों में स्थानांतरित हो गए, तो लोगों की चहल पहल से आबाद रहने वाले इस किले में रौनक कम हो गई। हालांकि कुछ समय से यहां पर दोबारा कई शासकीय विभाग संचालित किए जाने लगे हैं।

कहीं इतिहास न बन जाए प्राचीन धरोहर

करीब 400 सालों से धूप, छांव, गर्मी, ठंड, तूफान सभी तरह के मौसम का सामना करते हुए खड़े इस किले की सुध लेना आवश्यक है। इस प्राचीन धरोहर को सहेजने व संवारने पर ध्यान दिया जाए, तो यह आने वाले लंबे समय तक यह किला नगर का गौरव बढ़ाता रहेगा। यदि इसकी सुध नहीं ली तो धरोहर जर्जर होकर इतिहास न बन जाए। क्योंकि केवल किला ही नहीं बल्कि किले के दरवाजों के हिस्से भी गिरने लगे हैं। इसमें से कसेरा बाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर बना दरवाजा ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गया है। जिसका हिस्सा गत वर्ष भी गिरा था।

मुगल और मराठा साम्राज्य से जुड़ा है किले का इतिहास...

कहा जाता है कि पहले शाहजहां ने इस किले का पुनरुद्धार करवाया। पश्चातवर्ती मराठा शासकों ने भी समय समय पर जीर्णोद्धार करवाया। यह किला 1640 ईसवी के पूर्व निर्मित होना माना गया है। किले की दीवारें मोटी है तथा उन पर बुर्जिया बनी है। जिन पर तोप और बंदूक रखने का स्थान है। सथ ही परकोटे पर सैनिकों के आवाजाही के लिए स्थान है। किले के अंदर प्राचीन श्री राम व हनुमान मंदिर है। किले के आंतरिक भाग में गुप्त सुरंग है। घाट पर मछली का शिकार वर्जित है। जैसी राजाज्ञा का अंकन भी देखने को मिलता है। कहा जाता है कि यह नदी पहले जहां से होकर बहती थी वह जगह वर्तमान का सोमवारिया बाजार है। किले की सुरक्षा की दृष्टि से इस नदी का प्रवाह मोड़कर किले के समीप से लिया गया था।